

लघु उत्तरीय प्रश्न (भाग 1)

1. 'आ रही रवि की सवारी' शीर्षक पाठ में कौन कीर्ति-गायन कर रहे हैं?

- उत्तर: इस कविता में विहग (पक्षी), बंदी और चारण सूर्य रूपी राजा का कीर्ति-गायन कर रहे हैं।

2. 'मैं नीर भरी दुख की बदली' शीर्षक पाठ की विधा क्या है और यहाँ 'मैं' किसके लिए प्रयुक्त है?

- उत्तर: इस पाठ की विधा कविता (गीत) है। यहाँ 'मैं' शब्द स्वयं कवयित्री महादेवी वर्मा के लिए और प्रतीकात्मक रूप से समाज की हर पीड़ित नारी के लिए प्रयुक्त हुआ है।

3. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखें।

• उत्तर:

1. प्रियप्रवास (खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य)
2. वैदेही वनवास (या रसकलश)

4. महादेवी वर्मा को पुरस्कृत किए गए किन्हीं दो पुरस्कारों के नाम लिखें।

• उत्तर:

1. ज्ञानपीठ पुरस्कार (उनकी प्रसिद्ध कृति 'यामा' के लिए)
2. पद्म भूषण (या मंगलाप्रसाद पारितोषिक)

5. 'आ रही रवि की सवारी' - शीर्षक पाठ के रचयिता कौन हैं और यह पाठ कहाँ से संकलित है?

- उत्तर: इसके रचयिता हरिवंश राय बच्चन हैं। यह पाठ उनके प्रसिद्ध कविता संग्रह 'निशा निमंत्रण' से संकलित है।

6. गुरुगोविन्द सिंह ने किन पाँच सिखों को मृत्युंजयी बनाकर 'सिंह' बनाया?

- उत्तर: गुरुगोविन्द सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में अमृत छकाकर 'पंज प्यारे' (पाँच प्यारों) को मृत्युंजयी बनाकर 'सिंह' बनाया था। इनके नाम हैं:
 - भाई दया राम, भाई धरम दास, भाई हिम्मत राय, भाई मोहकम चन्द, और भाई साहिब चन्द।

7. मंझन कैसे कवि थे और उनके अनुसार परमात्मा को कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

- **उत्तर:** मंझन मध्यकाल के सूफी (प्रेममार्गी) कवि थे। उनके अनुसार परमात्मा को केवल सच्चे और निश्छल प्रेम के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम ही साक्षात् ईश्वर का रूप है।
-

8. रैदास ईश्वर की पूजा फल-फूल-जल से क्यों नहीं करते?

- **उत्तर:** संत रैदास का मानना है कि जल को मछली ने, फूल को भँवरे ने और फल को कीड़ों ने पहले ही जूठा व अशुद्ध कर दिया है। इसलिए वे बाहरी वस्तुओं को छोड़ अपने मन के आंतरिक भावों और सच्चे प्रेम से ईश्वर की पूजा करते हैं।

9. कवि मंझन ने सच्चे प्रेम की क्या कसौटी बताई है?

- **उत्तर:** कवि मंझन के अनुसार सच्चे प्रेम की कसौटी यह है कि प्रेमी प्रेम के मार्ग में अपने **अहंकार और सर्वस्व का त्याग** करने को हमेशा तैयार रहता है। सच्चा प्रेम मृत्यु के बाद भी अमर रहता है।

10. रैदास ईश्वर की पूजा कैसे करते हैं?

- **उत्तर:** रैदास बिना किसी बाहरी आडंबर या धूप-दीप के, अपने **मन के भीतर ही अटूट श्रद्धा, आत्म-समर्पण और भक्ति भावना** से ईश्वर की मानसिक पूजा करते हैं।

11. 'अष्टावक्र' शीर्षक पाठ में कुल्फीवाले ने ईश्वर को धन्यवाद क्यों दिया?

- **उत्तर:** अष्टावक्र की मृत्यु पर कुल्फीवाले ने ईश्वर को धन्यवाद इसलिए दिया क्योंकि अंततः उस असहाय, दिव्यांग और अत्यंत गरीब लड़के को इस क्रूर संसार के **सारे कष्टों, दुखों और लाचारी से हमेशा के लिए मुक्ति** मिल गई।

12. अष्टावक्र के आस-पास भीड़ क्यों लगी रहती थी?

- **उत्तर:** अष्टावक्र शारीरिक रूप से विकृत (आठ जगहों से टेढ़ा) और मानसिक रूप से कमजोर था। लोग कौतूहलवश या उसका **मजाक उड़ाने के लिए** उसके आस-पास हमेशा भीड़ लगाए रहते थे।

13. भारत में पहली बार सिनेमा कब और कहाँ दिखाया गया?

- **उत्तर:** भारत में पहली बार सिनेमा का प्रदर्शन **7 जुलाई 1896** को **बॉम्बे (अब मुंबई)** के **वॉटसन होटल** में **ल्यूमियर ब्रदर्स** द्वारा किया गया था।

23. बिहार के नृत्य जगत में हरि उप्पल का क्या महत्व है?

- **उत्तर:** पद्मश्री हरि उप्पल बिहार के लोक नृत्यों के संरक्षण और पुनरुद्धार के पुरोधा हैं। उन्होंने पटना में '**भारतीय नृत्य कला मंदिर**' की स्थापना कर बिहार की लोक संस्कृति को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई।

24. नालंदा विश्वविद्यालय का जन्म कैसे हुआ?

- **उत्तर:** नालंदा विश्वविद्यालय का जन्म 5वीं शताब्दी में **गुप्त वंश के सम्राट कुमारगुप्त प्रथम** के संरक्षण में हुआ था। यह तत्कालीन राजाओं, व्यापारियों और उदार नागरिकों द्वारा दिए गए भूमि एवं धन के दान से विकसित हुआ।

25. 'कहानी का प्लॉट' शीर्षक पाठ में मुंशीजी गल-फांसी लगाकर क्यों मरना चाहते थे?

- **उत्तर:** मुंशीजी अपनी इकलौती बेटी 'भगजोगनी' की अत्यधिक गरीबी और भुखमरी को देखकर अंदर से टूट चुके थे। वे उसके लिए तन ढकने को कपड़ा और दो वक्त का भोजन भी नहीं जुटा पा रहे थे। इसी लाचारी के कारण वे आत्महत्या करना चाहते थे।

26. संधि को परिभाषित करते हुए उसके भेदों को सोदाहरण लिखें।

- **परिभाषा:** दो निकटवर्ती वर्णों (ध्वनियों) के पास-पास आने के कारण उनके आपसी मेल से जो विकार या परिवर्तन उत्पन्न होता है, उसे **संधि** कहते हैं। जैसे: देव + इंद्र = देवेन्द्र, भानु + उदय = भानूदय।
- **संधि के मुख्य तीन भेद होते हैं:**
 1. **स्वर संधि:** दो स्वरों के आपस में मिलने से जो परिवर्तन होता है।
 - उदाहरण: विद्या + आलय = विद्यालय
(आ + आ = आ), सूर्य + उदय = सूर्योदय
(अ + उ = ओ)।

2. **व्यंजन संधि:** किसी व्यंजन का किसी स्वर या व्यंजन से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है।

- उदाहरण: सत् + जन = **सज्जन**, दिक् + अंबर = **दिगंबर**।

3. **विसर्ग संधि:** विसर्ग के बाद किसी स्वर या व्यंजन के आने पर विसर्ग में जो परिवर्तन होता है।

- उदाहरण: मनः + हर = **मनोहर**, निः + चल = **निश्चल**।

27. सामाजिक जीवन में चित्रकला के महत्त्व को रेखांकित करें।

- **महत्त्व:** चित्रकला मानव समाज की प्राचीनतम और सबसे सशक्त अभिव्यक्तियों में से एक है। सामाजिक जीवन में इसके निम्नलिखित मुख्य महत्त्व हैं:
 - **सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण:** चित्रकला प्राचीन सभ्यताओं, इतिहास, वेशभूषा और रीति-रिवाजों को सहेजने का माध्यम है। (जैसे- मधुबनी पेंटिंग या प्रागैतिहासिक गुफा चित्र)।
 - **अशाब्दिक संचार (Non-verbal Communication):** चित्रकला भाषा की सीमाओं को तोड़ती है। जो बातें शब्दों में नहीं कही जा सकतीं, वे एक चित्र के माध्यम से समाज के हर वर्ग (अनपढ़ या विदेशी) तक आसानी से पहुंच जाती हैं।

- **सामाजिक जागरूकता:** चित्रों और पोस्टरों के माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों (जैसे- बाल विवाह, प्रदूषण, कन्या भ्रूण हत्या) के खिलाफ चेतना जगाई जाती है।
- **मानसिक शांति और सौंदर्यबोध:** कला समाज में संवेदनशीलता और सौंदर्यबोध का विकास करती है, जिससे मानव जीवन तनावमुक्त और समृद्ध बनता है।

28. 'भगजोगनी का दूसरा वर्तमान नवयुवक पति उसका ही सौतेला बेटा है' - यह घटना समाज की किस बुराई की ओर संकेत करती है और क्यों?

- **बुराई का संकेत:** यह हृदयविदारक घटना समाज में व्याप्त असंगत विवाह (बूढ़े वर से विवाह), अत्यधिक गरीबी, और नारी की लाचारी व पराधीनता जैसी भयानक सामाजिक बुराइयों की ओर संकेत करती है।
- **कारण:**
 - मुंशीजी ने अत्यधिक दरिद्रता के कारण अपनी सुंदर बेटी भगजोगनी का विवाह एक बहुत ही वृद्ध व्यक्ति से कर दिया था।
 - वृद्ध पति की जल्दी ही मृत्यु हो गई और भगजोगनी कम उम्र में ही अनाथ और असहाय विधवा हो गई।

- तत्कालीन समाज में विधवा नारी को कोई सुरक्षा या अधिकार प्राप्त नहीं था। समाज में अपनी रक्षा करने और भरण-पोषण के लिए उसके पास कोई सहारा नहीं था।
 - अंततः, परिस्थितियों से मजबूर होकर उसे अपने ही सौतेले बेटे की पत्नी बनना पड़ा। यह घटना दिखाती है कि कैसे गरीबी और रूढ़िवादी सामाजिक नियम एक नारी को समाज में कठपुतली बना देते हैं, जहाँ उसका अपना कोई वजूद या सम्मान नहीं रह जाता।
-

29. 'रात का राजा खड़ा है राह में बनकर भिखारी' - सप्रसंग व्याख्या करें।

- **प्रसंग:** प्रस्तुत पंक्तियाँ कवि हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित कविता 'आ रही रवि की सवारी' से ली गई हैं। इस कविता में कवि ने सूर्योदय के समय प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों का सुंदर काव्यात्मक वर्णन किया है।

- **व्याख्या:** कवि कहते हैं कि जब सुबह के समय सूर्य रूपी राजा की सवारी निकलती है, तो अंधकार पूरी तरह विलीन होने लगता है। यहाँ 'रात का राजा' चंद्रमा और अंधकार के साम्राज्य को कहा गया है। सूर्य के तेज के सामने रात का वैभव, टिमटिमाते तारे और चंद्रमा का प्रकाश सब फीका पड़ जाता है। वे सब अपनी चमक खोकर आकाश के रास्ते में इस तरह दीन-हीन खड़े दिखाई देते हैं, मानो कोई भिखारी भिक्षा मांग रहा हो। कवि का तात्पर्य यह है कि समय परिवर्तनशील है; परिवर्तन के चक्र में बड़े से बड़े शक्तिशाली और वैभवशाली का गर्व भी चूर हो जाता है और उसे भी समय के आगे झुकना पड़ता है।

30. 'पलक पाँवड़े' शीर्षक पाठ का भावार्थ लिखें।

- **भावार्थ:** 'पलक पाँवड़े' कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा रचित एक अत्यंत सुंदर और प्रकृति-प्रेम से ओतप्रोत कविता है।
 - इस कविता में **सूर्योदय (प्रातःकाल) के समय प्रकृति के अद्भुत सौंदर्य का सजीव चित्रण** किया गया है। कवि ने कल्पना की है कि सुबह की सुनहरी और सुंदर बेला का स्वागत करने के लिए पूरी प्रकृति आतुर बैठी है।
 - भोर होते ही आकाश लाली से भर जाता है, हरी-हरी घास पर ओस की बूंदें मोतियों की तरह चमकने लगती हैं, और तालाबों में कमल के फूल खिल उठते हैं।